ऐम॰बी॰डी॰ मॉडल प्रश्न-पत्र

मॉडल प्रश्न-पत्र 1

कक्षा—दसवीं

विषय—हिंदी (पाठ्यक्रम—'ए')

वार्षिक परीक्षा

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

खंड–'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

जहाँ भी दो नदियाँ आकर मिल जाती हैं, उस स्थान को हमारे देश में तीर्थ कहने का रिवाज़ है। यह केवल रिवाज़ की बात नहीं है; हम सचमुच मानते हैं कि अलग-अलग नदियों में स्नान करने से जितना पुण्य होता है, उससे कहीं अधिक पुण्य संगम स्नान में है। किंतु, भारत आज जिस दौर से गुज़र रहा है, उसमें असली संगम वे स्थान, वे सभाएँ तथा वे मंच हैं, जिन पर एक से अधिक भाषाएँ एकत्र होती हैं। नदियों की विशेषता यह है कि वे अपनी धाराओं में अनेक जनपदों का सौरभ, अनेक जनपदों के आँसू और उल्लास लिए चलती हैं और उनका पारस्परिक मिलन वास्तव में नाना जनपदों के मिलन का ही प्रतीक है। यही हाल भाषाओं का भी है। उनके भीतर भी नाना जनपदों में बसने वाली जनता के आँसू और उमंगें, भाव और विचार, आशाएँ और शंकाएँ समाहित होती हैं। अत: जहाँ भाषाओं का मिलन होता है, वहाँ वास्तव में विभिन्न जनपदों के हृदय ही मिलते हैं, उनके भावों और विचारों का ही मिलन होता है तथा भिन्नताओं में छिपी हुई एकता वहाँ कुछ अधिक प्रत्यक्ष हो उठती है। इस दृष्टि से भाषाओं के संगम आज सबसे बड़े तीर्थ हैं और इन तीर्थों में जो भी भारतवासी श्रद्धा से स्नान करता है, वह भारतीय एकता का सबसे बड़ा सिपाही और संत है। हमारी भाषाएँ जितनी तेज़ी से जगेंगी, हमारे विभिन्न प्रदेशों का पारस्परिक ज्ञान उतना ही बढ़ता जाएगा।

(*i*) परंपरा के अनुसार कहाँ नहाने से अधिक पुण्य मिलने की बात मानी जाती है? 2

(*ii*) नदियाँ किनके मिलन की प्रतीक हैं? 2

(*iii*) भावों और विचारों का अधिक प्रत्यक्ष मिलन कहाँ होता है? 2

(*iv*) गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए। 1

(*v*) 'पारस्परिक' में मूलशब्द तथा प्रत्यय अलग करके लिखें। 1

2. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

शिशिर कणों से लदी हुई, कमली के भीगे हैं सब तार।
चलता है पश्चिम का मारुत, लेकर शीतलता का भार॥
भीग रहा है रजनी का वह, सुंदर कोमल कवरी-भार।
अरुण किरण सम, कर से छू लो, खोलो प्रियतम! खोलो द्वार॥
धूल लगी है पद काँटों से बिंधा हुआ है, दु:ख अपार।
किसी तरह से भूला-भटका आ पहुँचा हूँ, तेरे द्वार॥
डरो न इतना, धूल-धूसरित होगा नहीं तुम्हारा द्वार।
धो डाले हैं इनको प्रियवर, इन आँखों से आँसू ढार॥

MBD_Gr_10-A_MTP-F_R.pmd 1 4/20/2018, 1:25 PM

मेरे धूल लगे पैरों से, करो न इतना घृणा प्रकाश।
मेरे ऐसे धूल कणों से, कब तेरे पद को अवकाश॥
पैरों से ही लिपटा-लिपटा कर लूँगा निज पद निर्धार।
अब तो छोड़ नहीं सकता हूँ, पाकर प्राप्य तुम्हारा द्वार॥
सुप्रभात मेरा भी होवे, इस रजनी का दुःख अपार।
मिट जावे जो तुमको देखूँ, खोलो प्रियतम! खोलो द्वार॥

(i) काव्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए। 1

(ii) किसके तार भीगे हैं? 1

(iii) 'धूल धूसरित नहीं होगा द्वार'—कवि यहाँ किसके द्वार की बात कहता है? 1

(iv) पश्चिम की वायु की क्या विशेषता है? 2

(v) इस काव्यांश का भाव स्पष्ट करें। 2

खंड—'ख'

3. निम्नलिखित वाक्यों में निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए— 1 × 3 = 3

(i) कल मेरे अंकल घर आए थे। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ii) आओ अंदर बैठ कर बातें करें। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(iii) अरविंद ने पंखा खरीदना था इसलिए बाज़ार गया था। (सरल वाक्य में बदलिए)

4. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों का पद-परिचय दीजिए— 1 × 4 = 4

(i) शुभ्रा <u>आज</u> कॉलेज गई थी।

(ii) आभा ने अपने <u>पुत्र</u> को पीटा था।

(iii) <u>मेहनत</u> से कभी मुँह मत मोड़ो।

(iv) <u>वह</u> विश्वास के योग्य नहीं है।

5. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए— 1 × 4 = 4

(i) अध्यापकों द्वारा शिक्षा दी जाती है। (कर्मवाच्य में)

(ii) माँ द्वारा पुत्र को सुला दिया गया। (भाववाच्य में)

(iii) राघव नहीं पढ़ता। (कर्तृवाच्य में)

(iv) हम इतनी दूर नहीं रह सकते। (भाववाच्य में)

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए—

(i) शांत रस और वीर रस के स्थायी भाव लिखिए। 1 + 1 = 2

(ii) नीचे लिखे पद्यांशों में कौन-से रस हैं? लिखिए। 1 + 1 = 2

(क) मैया मैं नहिं माखन खायो।
भोर भये गैयन के पाछे मधुबन मोहि पठायो।

(ख) एक और अजगरहि लखि एक ओर मृग राय।
विकल बटोही बीच ही पर्‌यो मूरछा खाय।

खंड—'ग'

7. उस ज़माने में घर की दीवारें घर तक ही समाप्त नहीं हो जाती थीं, बल्कि पूरे मोहल्ले तक फैली रहती थीं, इसलिए मोहल्ले के किसी भी घर में जाने पर कोई पाबंदी नहीं थी, बल्कि कुछ घर तो परिवार का हिस्सा ही थे। आज तो मुझे बड़ी शिद्दत के साथ यह महसूस होता है कि अपनी ज़िंदगी खुद जीने के इस आधुनिक दबाव ने महानगरों के फ्लैट में रहने वालों को हमारे इस परंपरागत पड़ोस-कल्चर से विच्छिन्न करके हमें कितना संकुचित, असहाय और असुरक्षित बना दिया है।

(क) 'घर की दीवारों का पूरे मोहल्ले तक में फैलने' से क्या आशय है? 2

(ख) परंपरागत पड़ोस कल्चर क्या था? 1

(ग) वर्तमान फ्लैट कल्चर क्या है? 2

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— $2 \times 4 = 8$

(*i*) बालगोबिन को 'भगत' क्यों कहा गया?

(*ii*) 'लखनवी अंदाज़' कहानी का मुख्य पात्र आप किसे कहेंगे और क्यों?

(*iii*) बिस्मिला खाँ को शहनाई की मंगल ध्वनि का नायक क्यों कहा जाता है?

(*iv*) सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे?

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

छाया मत छूना
मन, होगा दु:ख दूना॥
दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं,
देह सुखी हो पर मन के दु:ख का अंत नहीं।
दु:ख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,
क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?
जो न मिला भूल उसे कर तू भविष्य वरण।

(*i*) साहस दुविधा-हत क्यों है? 1

(*ii*) भविष्य वरण से कवि का क्या आशय है? 2

(*iii*) कवि को क्या दुख है? 2

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए— $2 \times 4 = 8$

(*i*) गोपियाँ पर उद्धव के योग-दर्शन का क्या प्रभाव पड़ा?

(*ii*) लक्ष्मण के अनुसार वीर योद्धा की क्या विशेषताएँ हैं?

(*iii*) बच्चे की दंतुरित मुस्कान का कवि पर क्या प्रभाव पड़ा?

(*iv*) माँ ने बेटी को क्या-क्या सीख दी?

11. 'जार्ज पंचम की नाक' शीर्षक से नाक के बारे में पता चलता है। आपके विचार में नाक का क्या महत्व है और नाक कैसे व्यक्ति के स्वाभीमान का प्रतीक है? 4

खंड—'घ'

12. संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर निबंध लिखिए— 10

(*i*) **प्रदूषण की समस्या**—भूमिका, कारण, निरंतर वृद्धि, नियंत्रण कैसे, उपसंहार।

(*ii*) **काले धन का कलंक**—भूमिका, कर चोरी, मूल्य वृद्धि, तस्करी, उपाय, उपसंहार।

(*iii*) **राजनीति में भ्रष्टाचार**—भूमिका, धनलिप्सा, वोटों की खरीद-फरोख्त, नेता सेवक न होकर मालिक, उपसंहार।

13. नगर-निगम के अध्यक्ष को पत्र लिखिए जिसमें शहर में सड़कों में हो रहे गड्ढों के प्रति चिंता प्रकट की गई हो। 5

अथवा

मनीऑर्डर न मिलने की शिकायत करते हुए मुख्य डाकपाल को पत्र लिखिए।

14. मकान किराए पर देने के लिए विज्ञापन लिखें। 5

अथवा

गोदरेज गृह सज्जा की वस्तुओं के लिए विज्ञापन लिखें।

मॉडल प्रश्न-पत्र 2

कक्षा—दसवीं
विषय—हिंदी (पाठ्यक्रम—'ए')

वार्षिक परीक्षा

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

खंड—'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखें—

कामना ही सारे पापों की जड़ है। गीता में भगवान ने अर्जुन से कहा कि काम, क्रोध तथा लोभ—ये तीन नरक के द्वार आत्मा का नाश करने वाले हैं। अत: इन तीनों को त्याग देना चाहिए। मानव को अपने उद्धार हेतु केवल भगवन्नाम का सहारा लेना चाहिए। कारण हर संकट, मुसीबत और दुखों से बचने का यही एकमात्र उपाय है। कलियुग में तो भगवन्नाम की अपार महिमा है। प्रभु का नाम पापी-से-पापी को भी तार देता है। गीता में भगवान ने स्वयं कहा है कि दुराचारी-से-दुराचारी भी यदि मेरा भजन करता है तो मैं उसे सारे पापों से मुक्त कर धर्मात्मा बना देता हूँ। प्रभु का नाम किसी भी समय जपा जा सकता है। नाम जपने में समय का कोई प्रतिबंध नहीं है। नाम जपने का लोभ होना चाहिए। भक्ति में, भजन में, प्रभु का नाम स्मरण करने में कभी संतोष करके नहीं बैठ जाना चाहिए कि अब और नहीं करेंगे। जिसे जपने का चस्का पड़ जाए, वह बिना जपे रह ही नहीं सकता है। प्रभु नाम में वह शक्ति है, जो बड़ी-से-बड़ी मुसीबतों से भी जीव की रक्षा करता है।

(*i*) **सब पापों की जड़ क्या है?** 1

(*ii*) **'भगवन्नाम' और 'संतोष' में संधि-विच्छेद करें।** 1

(*iii*) **भगवान के नाम-स्मरण की महिमा किस युग में सबसे अधिक है और इससे क्या लाभ है?** 2

(*iv*) **प्रभु के नाम स्मरण में क्या शक्ति है और प्रभु का नाम-स्मरण किस समय करना चाहिए?** 2

(*v*) **गीता में श्रीकृष्ण ने दुराचारी के विषय में क्या और क्यों कहा है?** 2

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

रद्दी अख़बारों की ढेरी-सा
टूटे फूटे शीशे व टीन-सा
युग की उपलब्धियों का—
माल बिक सकता?
कोई फेरीवाला गुहार लगाता आए,
यह सब ले जाए,
सारा-का-सारा कबाड़ उठ जाए,
तो सजावट सुथरी होकर निखरे
हर चीज़ सही तरतीब में लगे और सुथरे।
युग की उपलब्धियों की इस ढेरी में
टूटे-फूटे कनस्तर और डिब्बों जैसे—
मुर्झाए हुए विश्वास,
मैले-कुचैले जीर्ण-शीर्ण चिथड़ों सा—
विकृत स्वाभिमान,

टूटी-फूटी बोतल-से
टूटे हुए सपने,
टूटे हुए बर्तन सरीखे
ये अर्ध सत्य—
ये ही सब लगा हुआ
रद्दी का अंबार,
बेहद कूड़ा-कबाड़
निश्चय इस रद्दी का—
खरीददार आएगा,
माल इस बोरी में—
भरकर ले जाएगा,
डालेगा जाकर उस बड़े कारखाने में—
जहाँ यह नया रूप, नए रंग
लेकर ही निकलेगा।

(*i*) युग की उपलब्धियों को क्या माना गया है? 2

(*ii*) विकृत स्वाभिमान की तुलना किससे और क्यों की गई है? 2

(*iii*) 'टूटे हुए बर्तन सरीखे' में कौन-सा अलंकार है? 1

(*iv*) इस कविता की रचना किस छंद में हुई है? 1

(*v*) इस कविता का शीर्षन लिखें। 1

खंड—'ख'

3. निम्नलिखित वाक्यों में निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए— $1 \times 3 = 3$

(*i*) आशीष ने स्नान करके शंकर जी पर जल चढ़ाया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(*ii*) उपासना गा रही है और नाच रही है। (सरल वाक्य में बदलिए)

(*iii*) अध्यापक अपने विद्यार्थियों को अच्छा बनाना चाहते हैं। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

4. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों का पद-परिचय दीजिए— $1 \times 4 = 4$

(*i*) चलो पूनम ने <u>घर</u> से बाहर कदम तो रखा।

(*ii*) पके हुए <u>अमरूद</u> अच्छे लगते हैं।

(*iii*) राजस्थान में रेत से कभी-कभी सबकुछ <u>ढक जाता</u> है।

(*iv*) <u>रिया</u> अभी तक सोई नहीं थी।

5. निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए— $1 \times 4 = 4$

(*i*) नरेश पतंग उड़ा रहा है। (कर्मवाच्य में)

(*ii*) गर्मियों में लोग खूब नहाते हैं। (भाववाच्य में)

(*iii*) नानी से कहानी नहीं कही जाती। (कर्तृवाच्य में)

(*iv*) मैं स्वयं पुस्तक पढ़ सकता हूँ। (कर्मवाच्य में)

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए—

(*i*) शृंगार और भयानक रसों के स्थायी भाव लिखिए। 1 + 1 = 2

(*ii*) नीचे लिखे पद्यांशों में कौन-से रस हैं? लिखिए। 1 + 1 = 2

गर्जहिं तर्जहिं गगन उड़ाहीं। देखी कटक भट गगन उड़ाहीं॥

'मारू मारू'—काटहु धुनि करहीं। घोर चिक्कार देखि सुर डरहीं॥

खंड—'ग'

7. पर यह पितृ-गाथा मैं इसलिए नहीं गा रही कि मुझे उनका गौरव-गान करना है, बल्कि मैं तो यह देखना चाहती हूँ कि उनके व्यक्तित्व की कौन-सी खूबी और खामियाँ मेरे व्यक्तित्व के ताने-बाने में गुँथी हुई हैं या कि अनजाने-अनचाहे किए उनके व्यवहार ने मेरे भीतर किन ग्रंथियों को जन्म दे दिया। मैं काली हूँ। बचपन में दुबली और मरियल भी थी।

(क) लेखिका ने किसकी जीवन-कथा का वर्णन किया है? 1

(ख) लेखिका अपने जीवन में आई किसकी अच्छाइयों—कमियों को जानना चाहती थी और क्यों? 2

(ग) लेखिका के मन में किसने जन्म ले लिया था? 2

8. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए— 2 × 4 = 8

(*i*) लेखिका के व्यक्तित्व पर किन-किन व्यक्तियों का प्रभाव पड़ा?

(*ii*) नवाब साहब के किन हाव-भावों से लेखक को लगा कि वे उससे बातचीत नहीं करना चाहते?

(*iii*) बिस्मिल्ला खाँ की किन विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया? लिखिए।

(*iv*) 'नेताजी का चश्मा' पाठ में निहित उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।
प्रीति-नदी मैं पाउँ न बौरयौ, दृष्टि न रूप परागी।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।।

(क) इन पंक्तियों में वक्ता और श्रोता कौन हैं? 1

(ख) पंक्तियों में तेल की गागर का उदाहरण क्यों दिया गया है? 2

(ग) गोपियों ने स्वयं की तुलना चींटियों से क्यों की है? 2

10. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए— 2 × 4 = 8

(*i*) परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूटने के कौन-से तर्क दिए?

(*ii*) कवि ने कठिन यथार्थ के पूजन की बात क्यों कही है?

(*iii*) 'उत्साह' कविता के द्वारा कवि क्या कहना चाहता है?

(*iv*) कवि के अनुसार 'फसल' क्या है?

11. 'माता का अँचल' पाठ 'माँ' के महत्व को किस प्रकार से दर्शाता है? अपने शब्दों में लिखिए। 4

खंड—'घ'

12. संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर निबंध लिखिए— 10

(क) **वसंत ऋतु**—भूमिका, प्रकृति का उपहार, विशेषता, उपसंहार।

(ख) **दूरदर्शन**—भूमिका, आविष्कार, भारत में आगमन, वर्तमान दशा, हानियाँ, लाभ, उपसंहार।

(ग) **गंगा नदी**—भूमिका, उद्‌गम, श्रद्‌धा का आधार, वर्तमान स्थिति, सुधारों के उपाय, उपसंहार।

13. अनुशासन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए। 5

अथवा

अपने मोहल्ले में सफ़ाई की दुर्व्यवस्था के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए नगर-निगम के अध्यक्ष को पत्र लिखिए।

14. 'भारती प्रकाशन' की ओर से 'विक्रय-प्रबंधन' के पद की आवश्यकता के लिए विज्ञापन लिखें। 5

अथवा

'रुचि साड़ी केंद्र' द्‌वारा साड़ियों की सेल का विज्ञापन लिखें।